

## छँटाई कासमय और सावधानियाँ (Pruning Time and Precautions)

फसल	उचित समय	सावधानी
आम	दिसंबर-जनवरी	तेज़ धूप या वर्षा में न करें
अमरुल	जून और नवम्बर	फल छुटाई के तुरंत बाद
नींबू	फरवरी-मार्च	तेज कटाव से बचें
अनार	अप्रैल-मई	रोगप्रस्त शाखाएँ धूपी हटाएँ
अंवला	दिसंबर	केवल कमज़ोर शाखाएँ काटें

## छँटाई की विधि (Method of Pruning)

- सबसे पहले सूखी, रोगप्रस्त, और आपस में रगड़ खा रही शाखाएँ हटा दें।
- अंदर की ओर बढ़ रही शाखाएँ काटें ताकि प्रकाश समान रूप से पहुँचे।
- कटाई का कोण 45° रखें ताकि वर्षा का पानी जमा न हो।
- कटाई के बाद कट सतह पर बोर्डी पेरेट (1%) या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड पेस्ट लगाएँ।
- छँटाई के बाद गोबर खाद या वर्मी कम्पोस्ट (5–10 किग्रा/पौधा) दें।

स्रोत: ICAR-CISH Lucknow, 2024

## भूमिका (INTRODUCTION)

फल वृक्षों की उत्पादकता समय के साथ घटती जाती है — यह समस्या विशेषकर अमरुल, आम, नींबू, अनार, अंवला जैसे स्थायी फलों में देखी जाती है।

मुख्य कारण हैं:

- दृश्यों की अत्यधिक उग्र,
- अयावस्थित शाखाएँ,
- प्रकाश का कम प्रवेश, और पोषक तत्वों की असमानता।

ऐसी स्थिति में छँटाई (PRUNING) और पुनर्जीवन (REJUVENATION) तकनीकें पौधों को नई जान देती हैं जिससे उत्पादन और फल की गुणवत्ता दोनों में सुधार होता है। ICAR-IIHR (2024) के अनुसार, छँटाई अपनाने से फल उत्पादन में 25–40% तक वृद्धि संभव है।

## छँटाई का उद्देश्य (PURPOSE OF PRUNING)

- पुरानी, सूखी व रोगप्रस्त शाखाओं को हटाना।
- प्रकाश व हवा के संचरण में सुधार।
- नई कोपलों के विकास को प्रोत्साहन।
- पोषक तत्वों का संतुलित वितरण।
- फलआकार और गुणवत्ता में वृद्धि।

प्रकार	विवरण	समय
Heading Back	लम्बी शाखाओं को छोटा करना	फसल कटाई के बाद
Thinning Out	अनावश्यक व अंदर की शाखाएँ हटाना	ग्रीष्म / शरद ऋतु
Rejuvenation Pruning	पुराने पेढ़ों की पुरी शाखा काटकर पुनर्जीवन करना	फरवरी-मार्च
Training Pruning	धूपा पौधों में आकार निश्चारण हेतु	1–3 वर्ष की अवस्था

## एग्रीकल्चर फ़ोरम फॉर टेक्निकल एजुकेशन ऑफ़ फार्मिंग सोसायटी

कोटा, राजस्थान



फल वृक्षों की छँटाई एवं  
पुनर्जीवन तकनीकें

संकलन

शिव कुमार अहिरवार

पीएच.डी. शोधार्थी, फल विज्ञान विभाग  
कृषि महाविद्यालय जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय  
जबलपुर, मध्य प्रदेश – 482004

## पुनर्जीवन तकनीक (Rejuvenation Technique)

पुराने व अनुपयोगी वृक्षों को पुनः फलनशील बनाने की प्रक्रिया को "Rejuvenation" कहा जाता है। यह तकनीक विशेष रूप से अमरुद, आम और नीबू में उपयोगी है।

### प्रमुख चरण:

- पुराने पेड़ की सभी मुख्य शाखाओं को 1.0–1.5 मीटर ऊँचाई तक काटें।
- कार्ड के बाद सभी घाँसों पर बोर्डो पेस्ट लगाएँ।
- 20–25 दिन बाद निकलने वाली नई कोपलों में से 4–5 को रखें, बाकी हटा दें।
- 4–6 माह बाद संतुलित छंटाई कर वृक्ष का आकार तय करें।
- गोबर खाद (20 किग्रा/पौधा) + जैव उर्वरक (Azotobacter, PSB) डालें।

अमरुद में पुनर्जीवन से 3 वर्ष में उत्पादन 2.5 गुना तक बढ़ सकता है।

(स्रोत: ICAR-CISH, 2024)

### छंटाई और पुनर्जीवन के बाद प्रबंधन (After-care Practices)

- सिंचाई: हल्की सिंचाई करें, परजल भरावनहो।
- खाद: प्रतिवेदा 5 किग्रा वर्षीय कम्पोस्ट + 100 ग्रामनी मखलीदें।
- रोगनियंत्रण: कटाइकेबाद 1% बोडीमिक्स रक्काइडिकावरें।
- मल्टियोग: तर्नोंके चारोंओर जैविक मल्चबिछाएँ।
- कीटनियंत्रण: नीमतेल 2% घोलकाछिड़िकावरें।

### छंटाई के बाद पोषण अनुसूची (Post-Pruning Nutrient Schedule)

तत्व	स्रोत	मात्रा (प्रति पौधा)
नाइट्रोजन	गोबर खाद / वर्षीय कम्पोस्ट	5–10 किग्रा
फॉस्फोरस	बोनमील / PSB जैव उर्वरक	100–150 ग्राम
पोटाश	दुइ ऐश या ऑर्गेनिक मिक्स	200 ग्राम
सूखे पोषक तत्व	जैविक घोल (जैसे जीवायन)	5 लीटर घोल

## प्रभावशीलता (Effectiveness Results)

फसल	उपज वृद्धि (%)	फल गुणवत्ता सुधार (%)
अमरुद	38	22
आम	25	18
नीबू	32	20

(स्रोत: National Horticulture Board, 2024)

### किसान अनुभव (Success Story)

श्री रामलाल चौधरी, जिला – रीवा (म.प्र.)

उनके 15 वर्ष पुराने अमरुद बागान की उपज घटकर 8 टन/हेक्टेयर रह गई थी। 2022 में उन्होंने ICAR-CISH के मार्गदर्शन में Rejuvenation Pruning अपनाई।

### परिणाम:

- अगले दो वर्ष में उत्पादन बढ़कर 18 टन/हेक्टेयर हुआ।
  - फलों का औसत वजन 20% अधिक हुआ।
  - बाजार मूल्य में ₹12/kg से ₹20/kg की वृद्धि।
- पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ
- वृक्षों का जीवनकाल 10–15 वर्ष बढ़ता है।
  - रासायनिक दवा की आवश्यकता घटती है।
  - मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है।
  - कम लागत में अधिक उत्पादन।

## सावधानियाँ (Precautions)

- छंटाई हमेशा प्रशिक्षित व्यक्ति से करवाएँ।
- एक बार में वृक्ष का 60% भाग से अधिक न करें।
- बारिश या तेज धूप के दिनों में छंटाई न करें।
- उपरकरणों को हमेशा जीवाणुहित रखें।

### संदर्भ (References)

- ICAR-CISH, Lucknow. 2024. Rejuvenation Technology for Guava and Mango.
- CAR-IIHR, Bengaluru. 2023. Pruning and Canopy Management in Fruit Crops.
- FAO (2024). Tree Pruning and Orchard Renewal Guidelines.
- National Horticulture Board (2024). Horticultural Crop Productivity Improvement Report.
- Journal of Applied Horticulture (2023). Rejuvenation Practices and Yield Response in Fruit Orchards.

### संपर्क केंद्र

- कृषि विज्ञान केन्द्र (रीवा / जबलपुर / दमोह) – छंटाई एवं प्रशिक्षण इकाई
- ICAR-CISH, लखनऊ – Rejuvenation Research Unit
- राज्य उद्यानिकी विभाग, भोपाल (म.प्र.)
- किसान हेल्पलाइन: 1800-180-1551